सांध्य दैनिक 4PM

जिस दिन हमारे सिग्नेचर ऑटोग्राफ में बदल जायें, उस दिन मान लीजिए आप कामयाब हो गये।

-डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 125 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 10 जून, 2025

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में धोनी... 7 | असम में अभी से बनने लगी... 3 | सरकार बताये 11 साल में... 2

पकड़ा गया यूपी सरकार का झूठ

महाकुंभ भगदड़ में हुईं थीं 82 मौतें!

4PM यूट्यूब चैनल ने पहले ही दिखाई थी पोस्टमार्टम रूम की तस्वीर

- 26 के नाम लिस्ट में नहीं
- पीड़ितों को 5-5 लाख देकर बंद कराया गया उनका मुंह
- यूपी पुलिस ने मौत के लिए तबियत बिगड़ने की बात मानने का डाला दबाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4 पीएम यूट्यूब चैनल ने महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ को लेकर अपनी एक रिपोर्ट जारी की थी जिसमें मौतों की संख्या सरकार के बताए आंकड़ों से कहीं ज्यादा दिखाई थी। चैनल के उस दावे के तीन महीने बाद एक चौंकाने वाली रिपोर्ट आई है जिसमें दावा है कि उस दिन 82 लोगों की मौत हुई थी।

इस रिपोर्ट ने चैनल के दावे को और पुष्ट कर दिया है। साथ ही चैनल के सच दिखाने के अपने अभियान को और मजबूती प्रदान की है। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी को मौनी अमावस्या हुई भगदड़ को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक संगम नोज पर हुई भगदड़ में 37 लोगों की मौत हो गई थी। जिसके बाद उनके परिजनों को 25-25 लाख का मुआवजा दिया गया है। कई रिपोर्ट में ये भी दावे किए गए है कि अब तक लोगों को मुआवजा तक नहीं दिया गया है।

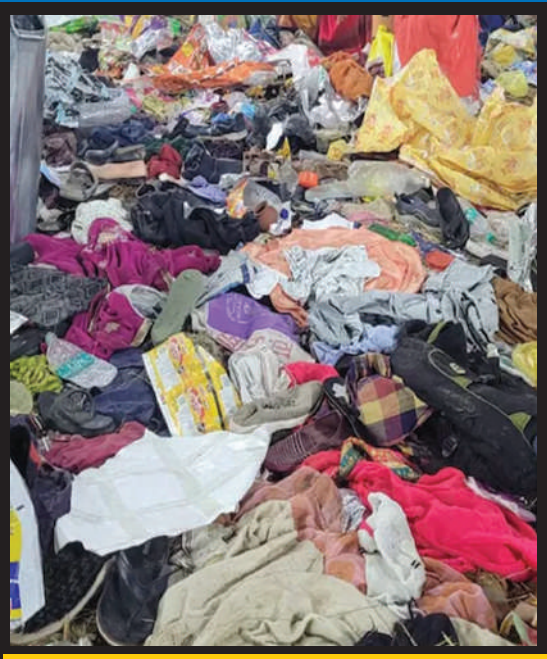

पुलिस ने जबरन पेपरों पर साइन करवाया

बीबीसी की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जांच के दौरान 26 परिवार ऐसे मिले, जिन्हें 5-5 लाख रुपये कैश में दिए गए है। उनके पास यूपी पुलिस द्वारा ये राशि देते हुए वीडियो और फोटो भी मौजूद है। इन कई परिवारों ने दावा किया उनसे जबरन ऐसे पेपरों पर साइन कराए गए जिनपर अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत होने की बात कही गई थी। इसके अलावा पड़ताल में 19 और ऐसे परिवार भी मिले जिन्हें 5-5 लाख रुपये भी नहीं मिले।

26 परिवारों के खोए परिजनों की मृतकों की सूची में नाम ही नहीं

बीबीसी हिन्दी की रिपोर्ट के अनुसार उस दिन कम से कम 82 लोगों की मौतें हुईं थीं। इनमें से 26 परिवार ऐसे मिले जिन्होंने भगदड़ में अपनों को खोया लेकिन उनके नाम मृतकों की सूची में शामिल नहीं किए गए।

100 से ज्यादा परिवारों ने भगदड़ में खोया अपनों को

नई रिपोर्ट के मुताबिक 50 से अधिक जिलों में कई गई पड़ताल में 100 से ज्यादा ऐसे परिवार मिले जिन्होंने भगदड़ में अपनों के मारे जाने की बात को स्वीकार किया है। इनमें से 82 परिवारों के इसके पुख्ता सबूत दे पाए हैं।

चार जगहों पर मची थी भगदड़

रिपोर्ट के मुताबिक मौनी अमावस्या के दिन महाकुंभ में चार जगहों पर भगदड़ मची थी। जिसमें लोगों की मौत हुई। सीएम योगी के मुताबिक 37 में से 35 लोगों को सरकार द्वारा 25-25 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। जो डायरेक्ट ट्रांसफर या चेक के जरिए दी गई।

4पीएम ने सरकार के आंकड़ों पर पहले ही उठाया था सवाल

झूठ की कोई भी सूचना-प्रबंधन सत्य को बाहर आने से नहीं रोक सकता : अखिलेश यादव

सब देखें, सुनें, जानें-समझें और साझा करें। सत्य की केवल पड़ताल नहीं, उसका प्रसार भी उतना ही ज़रूरी होता है। भाजपा आत्म-मंथन करे और भाजपाई भी और साथ ही उनके समर्थक भी कि जो लोग किसी की मृत्यु के लिए झूठ बोल सकते हैं, वो झूठ के किस पाताल-पर्वत पर चढ़कर अपने को, अपने मिथ्या-साम्राज्य का मुखिया मान रहे हैं। झूठे आँकड़े देनेवाले ऐसे भाजपाइयों पर विश्वास भी विश्वास नहीं करेगा। सवाल सिर्फ़ आँकड़े छिपाने का नहीं है, सदन के पटल पर असत्य बोलने का भी है और इस बड़ी बात का भी है कि 'महाकुंभ मृत्यु-मुआवज़े' में जो राशि नक़द दी गयी, वो कैश क्यों दी गयी?,वो कैश आया कहाँ से? और जिनमें वो कैश वितरित नहीं हो पाया, वो कैश वापस गया किसके हाथ में? नक़दी देने का निर्णय किस नियम के तहत हुआ? नक़दी का वितरण किसके आदेश पर हुआ? ,नक़दी के वितरण का लिखित आदेश कहाँ है? ,नक़दी वितरण में क्या कोई अनियमितता हुई? और साथ ही यह भी कि मृत्यु के कारण को बदलवाने का दबाव किसके कहने पर बनाया गया? ये रिपोर्ट अंत नहीं, महाकुंभ में हुई मृत्युओं और उनसे जुड़े पैसों के महासत्य की खोज का आरंभ है। सत्य जब उजागर होता है, तो झूठ की परत-दर-परत खुलती है, जो स्वांग के हर चोगे और मुखौटे को उतारती जाती है, परदे उठाती जाती है। झूठ का कोई भी सूचना-प्रबंधन ऐसे सत्य को बाहर आने से नहीं रोक सकता।

योगी सरकार ने महाकुंभ को अपनी एक बड़ी उपलब्धि बताया था

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार महाकुंभ को अपनी एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर दिखाती रही है। खुद सीएम योगी आदित्यनाथ ने सदन में महाकुंभ में हुई भगदड़ के बारे में जानकारी देते हुए 37 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की थी।

तीन कैटेगरी में बांटे गए मृतकों के परिवार

बीबीसी की रिपोर्ट में महाकुंभ में मारे गए 82 मृतकों को तीन हिस्सों में बांटा गया है। इनमें से पहले पहली कैटेगरी में वो लोग हैं जिन्हें 25-25 लाख रुपये मिले, दूसरी कैटेगरी में 5-5 लाख रुपये कैश में मिलने वाले परिवार है जबकि तीसरी कैटेगरी में मृतकों के ऐसे परिवार है जिन्हें कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली। जिन लोगों को 5-5 लाख रुपये दिए गए उनमें 18 उत्तर प्रदेश से है, 5 बिहार और 2 पश्चिम बंगाल और एक झारखंड का परिवार है। इन सभी को कैश में पैसे दिए गए. ये पैसे विधिक तरीके से दिए इसके संकेत नहीं है। तीसरी कैटेगरी में 19 मृतकों के परिवार हैं जिन्हें सरकार से कोई सहायता नहीं मिली। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है मृतकों की संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है। जिन 82 लोगों की भगदड़ में मौत होने का दावा किया गया है उन सभी के भगदड़ में मौत होने के पुख्ता सबूत और चश्मदीद गवाह भी मौजूद है।

कांग्रेस ने भी उठाए सवाल

वहीं कांग्रेस ने भी इस रिपोर्ट को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। अपने एक्स हैंडल पर मृतकों की तस्वीर जारी करते हुए कांग्रेस ने लिखा- कुंभ भगदड़ में यूपी की भाजपा सरकार ने 37 लोगों की मौत की बात कही थी। जबकि बीबीसी की पड़ताल में 82 लोगों की मौतों की पुष्टि हुई है। बीबीसी को ऐसे 26 परिवार मिले जिन्हें पांच-पांच लाख रुपए कैश के बंडल देकर कुंभ से हटा दिया गया और मृतकों की गिनती में शामिल नहीं किया गया। सवाल है ??

सरकार का मुंह काला कर गधे पर घुमाना चाहिएः पप्पू यादव

वहीं बिहार के पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि डूब मरो यूपी की भाजपा सरकार। हिंदू श्रद्धालुओं के मौत में घोटाला करने वाली मोदी-योगी सरकार का मुंह काला कर गधे पर घुमाना चाहिए। डिजिटल लेन-देन की बात करने वाली सरकार किस घोटाले के मद से 1 करोड़ 30 लाख नकद बांटी? इतना नकद लेन देन आम आदमी करता जेल में होता।

सरकार बताये 11 साल में क्या किया : अखिलेश यादव

भाजपा पर जमकर बरसे सपा प्रमुख, बोले- 20 साल के काम का हिसाब दे सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को केंद्र के 11 वर्ष और प्रदेश सरकार के नौ साल कुल 20 वर्षों के काम का लेखाजोखा देना होगा कि जनता के लिए क्या किया?अखिलेश यादव ने केंद्र में भाजपा सरकार के 11 साल के कार्यकाल को लेकर बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार को बताना चाहिए उन्होंने जनता के लिए क्या किया? उन्हें बताना चाहिए कि शिक्षा के क्षेत्र में क्या किया? बेरोजगारी कितनी कम हुई? कितने रोजगार दिए हैं? प्रदेश में कितना निवेश आया है। यूपी में डबल इंजन की सरकार कही जाती है पर य ह ा ं पर क्या हालात हैं। सभी एक दूसरे से टकरा रहे हैं। कमीशन के लिए झगड़ा हो रहा है। एक आईएएस अधिकारी को अंडरग्राउंड होना पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जिस गांव को गोद लिया था उसका विकास नहीं हो सका है। उस गांव की तस्वीर नहीं बदली है तो कहीं न कहीं सरकार के कामकाज पर सवाल उठते हैं। मुख्यमंत्री योगी फसलों का एरिअल सर्वे कर रहे हैं। उन्हें किसानों के सामने जाना चाहिए और उनके सवालों का जवाब देना चाहिए।

पूर्व एमएलसी की जीवनी का विमोचन

विधान परिषद की पूर्व सदस्य कांति सिंह की जीवनी छूना है आसमान का सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विमोचन किया। गोमतीनगर स्थित होटल में हुए आयोजन में भारी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। अखिलेश यादव ने कहा कि किताब का शीर्षक ही बताता है कि जीवन भर संघर्ष करना होता है, क्योंकि आसमान कभी पूरी तरह छुआ नहीं जा सकता। कांति सिंह के पति सपा सांसद डॉ. एसपी सिंह ने कहा कि यह पुस्तक उन तमाम महिलाओं के लिए संदेश है, जो जीवन में संघर्ष कर रहीं हैं। इस मौके पर पुस्तक की लेखिका रेनू सैनी, सपा प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी, सांसद आरके चौधरी के साथ ही सुशील कुमार, हर्षित सिंह, शिखर पाल सिंह और गरिमा सिंह मौजूद रहे।

प. बंगाल में कोविड की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं : ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य में कोविड-19 की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। बनर्जी ने यह बयान कोरोना वायरस के एक और प्रकोप से निपटने के लिए राज्य की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करने के बाद दिया उन्होंने कहा, '' आधिकारिक जानकारी के अनुसार, राज्य में कोविड की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा।

बैठक में मुख्य सचिव मनोज पंत, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कोलकाता नगर निगम समेत नगर निकायों के प्रतिनिधि और पंचायत विभाग के अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''बैठक में हमने तैयारियों का जायजा लिया। उम्मीद है कि महामारी कभी वापस नहीं आएगी। हमें सतर्क रहना होगा, दहशत नहीं फैलाएं।'' उन्होंने कहा, '' फेफड़ों और सीने में संक्रमण या कुछ अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अधिक सतर्क रहना होगा। कभी-कभी, उम्र भी एक कारक होती है। इन दिनों, खांसी और सर्दी के मामलों में भी, हम उन्हें कोविड के रूप में देखना शुरू कर देते हैं। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार जनता के साथ थी, है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में अपेक्षित बुनियादी ढांचा मौजूद है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, सोमवार सुबह तक पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के 747 मरीज उपचाराधीन थे तथा एक मरीज की मौत हो गई।

पूर्ण राज्य का दर्जा पाना हमारे लिए मुख्य मुद्दा : फारूक अब्दुल्ला

» बोले- जम्मू-कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना उनकी पार्टी का प्रमुख मुद्दा है और यह तब तक जारी रहेगा जब तक इसे हासिल नहीं कर लिया जाता। उन्होंने कहा, कि राज्य का दर्जा पाना हमारे लिए एक मुद्दा है और यह कभी खत्म नहीं होगा। हमें उम्मीद है, क्योंकि हमें न केवल संसद में बल्कि सुप्रीम कोर्ट में भी वादा किया गया है।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा, लोगों को हमसे उम्मीदें हैं और जब तक हमें राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, हम उन पर खरा नहीं उतर सकते। यहां पर्यटन की एक नई कड़ी शुरू करने की जरूरत है। पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने पर्यटन उद्योग को मजबूत करने के लिए नए कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया।

'नेशनल कॉन्फ्रेंस' के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कश्मीर के लिए शुरू की गई नयी ट्रेन सेवा से स्थानीय लोगों तथा पर्यटकों दोनों को ही लाभ होगा। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी ने माता वैष्णो देवी कटरा और श्रीनगर के बीच दो विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। घाटी के लिए एक सीधी रेल लिंक का उद्घाटन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है जिसका कश्मीर के विकास, व्यापार और पर्यटन पर दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है और देश के बाकी हिस्सों के साथ इसका चौतरफा एकीकरण होगा।

अब्दुल्ला ने ट्रेन में चढ़ने से पहले संवाददाताओं से कहा, ''मुझे बहुत खुशी है कि मैं आज इस ट्रेन से कटरा तक यात्रा कर रहा हूं। यह हमारे लिए बेहद लाभकारी है।'' अब्दुल्ला के साथ उनकी पार्टी के कई सहयोगी भी थे। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कश्मीर को शेष भारत से जोड़ने वाली यह ट्रेन घाटी के लोगों के लिए एक भरोसेमंद परिवहन सेवा है।

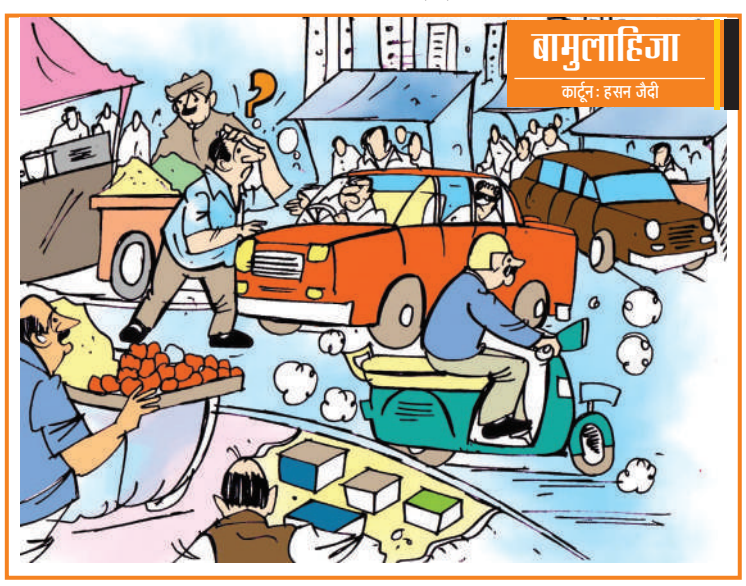

जमीनी स्तर से कांग्रेस को मजबूती देंगे : इमरान मसूद

राहुल गांधी संग तस्वीर शेयर कर सांसद ने दिया संदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने प्रदेश में पार्टी की मजबूती के लिए पूरी मेहनत शुरू कर दी है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा- हम जमीनी स्तर से कांग्रेस को मजबूती देंगे— गांवों से लेकर बूथ तक, हर दिल तक पहुंचेंगे। बता दें उत्तर प्रदेश में इन दिनों कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के बयान के बाद दोनों दलों के बीच तल्खी बढ़ी हुई है। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने इमरान मसूद को उनकी ताकत याद दिलाते हुए कहा था कि वो कौन होते हैं गठबंधन को लेकर फैसला लेने वाले। जिसके बाद अब इमरान ने राहुल गांधी के साथ तस्वीर शेयर की है। जिसे सपा के लिए बड़ा संदेश माना जा रहा है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने राहुल गांधी के साथ तस्वीर शेयर करते हुए दावा किया कि कांग्रेस लगातार यूपी में जमीनी स्तर पर काम कर रही है और पार्टी को मज़बूत बनाने में जुटी है। इस तस्वीर के

कई मायने निकाले जा रहे हैं। राहुल गांधी के साथ उनकी फोटो कांग्रेस पार्टी में उनकी हैसियत दिखाने की एक कोशिश के तौर पर भी देखी जा सकती है। दरअसल यूपी में कांग्रेस और सपा गठबंधन में तकरार उस वक्त शुरू हुई जब इमरान मसूद ने सपा के 80-17 वाले फॉर्मूले को मानने से इनकार कर दिया था। कांग्रेस पार्टी के ही एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कांग्रेस को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है। अब ये नहीं चलेगा कि सपा तय करे कि हम कौन सी सीट पर चुनाव लड़ेंगे। हम अपने दम पर चुनाव लड़ेंगे। सपा से अगर कोई समझौता होता है तो वो बराबरी का होना चाहिए।

कांग्रेस कौन सी सीट पर चुनाव लड़ेगी इसका फैसला हमारी पार्टी का नेतृत्व करेगा।

शीर्ष नेतृत्व के पास पूरी शक्ति : धर्मेन्द्र यादव

इमरान मसूद के इस बयान पर समाजवादी पार्टी सांसद धर्मेन्द्र यादव ने तीखा पलटवार किया और उन्हें कांग्रेस में उनकी हैसियत याद दिलाते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस में इतनी शक्ति कब दे दी कि वो गठबंधन को लेकर फैसला ले। धर्मेंद्र यादव ने कहा कि मेरा मानना है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी इस तरह के फैसले ले सकते हैं। मुझे नहीं पता कि कांग्रेस ने इमरान मसूद को इस तरह के फैसले लेने की शक्ति कब दे दी।

बसपा की सोशल मीडिया पर बढ़ेगी सक्रियता

» आकाश आनंद के बयान के बाद उठी आईटी सेल बनाने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की ओर से पार्टी का आईटी सेल नहीं होने के दिए गए बयान से बसपा समर्थक नाखुश हैं। पार्टी का आईटी सेल बनाने की मांग कर रहे हैं, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों के हमलों का जवाब दिया जा सके।

बता दें कि आकाश आनंद ने अपने बयान में पार्टी कार्यकर्ताओं को फर्जी आईटी सेल से सावधान रहने को कहा है। उन्होंने आगाह किया कि कुछ लोग मेरे नाम से फर्जी आईटी सेल संचालित कर रहे हैं। बसपा एक मिशनरी आंदोलन है, जो केवल कार्यकर्ताओं के बल पर चलता है। आकाश के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर पार्टी समर्थक आईटी सेल बनाने की वकालत करने लगे हैं। साथ ही, बीते चुनाव के दौरान बसपा से लोगों को जोड़ने के लिए शुरू की गई मिस्ड कॉल सर्विस के निष्क्रिय होने पर भी सवाल उठा रहे हैं।

असम में अभी से बनने लगी सियासी तस्वीर!

चुनाव में अभी एक साल से ज्यादा वक्त, कांग्रेस व भाजपा में वार-पलटवार, सीएम, हिंदू-मुस्लिम करके वोट लेने के फिराक में

» कांग्रेस अध्यक्ष बोले- खत्म होगी भाजपा की झूठी कहानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में चुनाव होने में अभी वक्त है पर वहा पर भाजपा व कांग्रेस में सियासी वार-पलटवार शुरू हो गया है। दोनों ही पार्टियों ने अभी से अपने तीर-तरकश कसने शुरू कर दिए है। मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा ने मौके-मौके पर कांग्रेस को घेरने का अभियान तेज कर नए-नए बने प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई को चित करने की कोशिश शुरू कर दी है।

हालांकि हिमंत के आक्रमण को भोथरा करन के लिए गोगोई ने अपनी तलवारें पैनी कर दी हैं। भाजपा जहां गौरव गोगोई को उनकी पत्नी के पाक के एनजीओ से संबंध को मुद्दा बनाकर कई बार घेरने की कोशिश की है वहीं गोगोई ने कहा है कि आने वाले समय में सब समाप्त हो जाएगा। सरमा ने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। पहली बार, मैं कहना चाहता हूं कि वह आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। हमारे पास वह दस्तावेज है। वह वहां प्रशिक्षण प्राप्त करने गए थे।

सरमा की सी ग्रेड सिनेमा फ्लॉप होने जा रहा : गौरव

असम कांग्रेस के नवनियुक्त अध्यक्ष कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा है कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के पाकिस्तान से संबंध के आरोप सी-ग्रेड बॉलीवुड सिनेमा का हिस्सा हैं जो बुरी तरह से फ्लॉप होने जा रहा है। सरमा ने आरोप लगाया था है कि गोगोई देश की कुख्यात जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के आमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। सरमा ने आरोप लगाया कि गौरव गोगोई आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। पहली बार, मैं कहना चाहता हूं कि वह आईएसआई के निमंत्रण पर पाकिस्तान गए थे। हमारे पास वह दस्तावेज है। वह वहां प्रशिक्षण प्राप्त करने गए थे।अब इसी को लेकर गौरव गोगोई ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि करीब 14-15 साल पहले, मेरी पत्नी, जो सार्वजनिक नीति की एक जानी-मानी विशेषज्ञ हैं, ने दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना पर काम किया था। 2012-13 के आसपास भारत लौटने से पहले उन्होंने एक साल पाकिस्तान में बिताया। तब से, उन्होंने अपना काम जारी रखा है और 2015 में भारत में नौकरी कर ली है। मुझे भी याद है कि 2013 में एक बार मैं उनके साथ गया था। इसलिए वे इसे मुद्दा बना रहे हैं क्योंकि उनका काम केवल अपमानजनक है, और इसलिए वे इस पूरी चीज़ को सी-ग्रेड बॉलीवुड फ़िल्मि की तरह बना रहे हैं।

हेमंत सरमा पर मानहानि का मुकदमा दर्ज करने की तैयारी

मीडिया द्वारा पूछे गए इस सवाल पर कि क्या वह सरमा पर मानहानि का मुकदमा करने की योजना बना रहे हैं, कांग्रेस नेता ने कहा, आप उस पार्टी के खिलाफ कितने मानहानि के मामले दर्ज करेंगे, जिसकी राजनीति मानहानि पर निर्भर करती है? मानहानि ही उनका आदर्श वाक्य है, किसी की छवि को कैसे खराब किया जाए। गोगोई की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट डाली। उन्होंने आरोप लगाया, आखिरकार, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने स्वीकार किया है कि उन्होंने पाकिस्तान का दौरा किया था। लेकिन हम यह स्पष्ट कर दें कि यह सिर्फ शुरुआत है, अंत नहीं। आगे जो होने वाला है वह कहीं अधिक गंभीर है। विश्वसनीय इनपुट और प्रलेखित जानकारी द्वारा समर्थित हर उचित आधार मौजूद है, जो यह सुझाव देता है कि गोगोई ने पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के साथ निकटता बनाए रखी है।

अराजकता की ओर ले जा रही असम सरकार

मुख्यमंत्री शर्मा ने बुधवार को कहा था कि असम सरकार 'संवेदनशील और दूरदराज' के क्षेत्रों में रहने वाले मूल निवासियों को सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए हथियार लाइसेंस देगी।असम कांग्रेस प्रमुख गौरव गोगोई ने राज्य सरकार द्वारा स्थानीय लोगों को हथियार लाइसेंस देने के फैसले की निंदा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि यह शासन नहीं बल्कि ''अराजकता और जंगल राज'' की ओर एक ''खतरनाक कदम'' है। गोगोई ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को तुरंत इस फैसले को वापस लेना चाहिए और जिम्मेदार नेतृत्व के माध्यम से जनता का विश्वास बहाल करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गोगोई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिकों को हथियार वितरित करने के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के फैसले की कड़ी निंदा करता हूं।''उन्होंने आरोप लगाया, ''पुलिस और सीमा पर बलों को मजबूत करने के बजाय, सरकार भाजपा-आरएसएस समर्थकों और स्थानीय आपराधिक गिरोहों के बीच हथियार बांटने पर आमादा है। इससे व्यक्तिगत प्रतिशोध के आधार परहिंसा और अपराध को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय व्यापारियों को परेशान किया जाना तय है।

स्थानीय लोगों को हथियार लाइसेंस पर सीएम को घेरा

असम सरकार ने एक विशेष योजना को मंजूरी दी है जिसके तहत संवेदनशील और सीमावर्ती (बांग्लादेश सीमा के पास स्थित)क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी लोगों को हथियारों के लाइसेंस प्रदान किए जाएंगे। इसको लेकर कांग्रेस ने सीएम पर हमला बोला है। उसने कहा कि राज्य में भाजपा अराजकता बढ़ाना चाहती है। हम आपको बता दें कि इन क्षेत्रों में बांग्लादेशी मूल के मुसलमानों की बहुतायत है। इस योजना का उद्देश्य ऐसे लोगों को अपने क्षेत्र के भीतर या पड़ोसी देश से आने वाले किसी भी आक्रमण से अपनी रक्षा करने की अनुमति देना है। असम सरकार के कैबिनेट नोट में कहा गया है कि यह योजना अवैध खतरों के प्रति एक निवारक के रूप में कार्य करेगी और ऐसे व्यक्तियों और समुदायों की व्यक्तिगत सुरक्षा तथा आत्मविश्वास को बढ़ाएगी। इस बारे में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय है। धुबरी, नागांव, मोरीगांव, बारपेटा, साउथ सालमारा और मानकाचर, गोलपाड़ा जैसे जिलों में, जहाँ बांग्लादेशी मूल के मुसलमान बहुसंख्या में हैं, वहाँ स्वदेशी लोग अल्पसंख्यक हैं और उन्हें निरंतर असुरक्षा का सामना करना पड़ता है, खासकर बांग्लादेश में हाल ही में हुई घटनाओं के चलते।%% उन्होंने कहा कि ये स्वदेशी लोग अपने ही गाँवों से या बांग्लादेश से हमले के शिकार हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय भाजपा की जाति, माटी और भेती (पहचान, भूमि और मातृभूमि) की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

उत्तराखंड-यूपी में सीटों को लेकर रार, कांग्रेस व सपा में खिचीं तलवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कांग्रेस व सपा में गठबंधन में गांठ पड़ने का अंदेशा दिखाई देने लगा है। पहले कांग्रेस सांसद इमरान मसूद फिर कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय द्वारा यह कहना कि वह पंचायत चुनाव अकेले लड़ेंगे । इस बयान के बाद से सियासी माहौल गरमा गया है। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस व सपा में रार जमीन पर आने की संभवना बनने लगी है।

कांग्रेस ने यूपी में 80-17 का फॉर्मूला मानने से इनकार कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि उनकी पार्टी लगातार ज़मीनी स्तर पर काम कर रही है और अब सपा ये तय नहीं करेगी की कांग्रेस पार्टी कौन सी सीट पर चुनाव लड़ेगी और कहां नहीं। उनके इस बयान के बाद यूपी में इंडिया गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। इस बीच सपा सांसद और अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव ने कांग्रेस से सीट शेयरिंग पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कर दिया के सीटों का फैसला किस आधार पर होगा।

फैसला सपा कांग्रेस नेतृत्व करेगा : इमरान मसूद

पिछले दिनों इमरान मसूद ने ये कहकर यूपी की सियासत में हलचल मचा दी थी कि अब प्रदेश में 80-17 का फॉर्मूला नहीं चलेगा, कांग्रेस किस सीट पर चुनाव लड़ेगी इसका फैसला सपा नहीं करेगी। इसका फैसला कांग्रेस नेतृत्व करेगा। हमें किसी बैसाखी की जरुरत नहीं है। यूपी में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नाम पर वोट पड़ा है।

सीटों पर फैसला सपा प्रमुख करेंगे : धर्मेन्द्र

सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कांग्रेस पार्टी से गठबंधन को लेकर कई बड़ी बातें कही हैं। इस दौरान जब उनसे सवाल किया गया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी कांग्रेस के लिए कितनी सीटें छोड़ेगी? इसके जवाब में सपा सांसद ने कहा कि इसका फैसला अखिलेश यादव ही करेंगे। हम समाजवादी लोग हैं और अपने नेता का अनुसरण करते हैं।

भाजपा के जाल में फंस रहे हैं कुछ लोग

धर्मेंद्र यादव ने इमरान मसूद का नाम लिए बिना कहा कि जो लोग भाजपा के जाल में फंस रहे हैं वो ऐसी बातें कर सकते हैं. लेकिन, हम इनके जाल में फंसने वाले नहीं है. उत्तर प्रदेश में हमारा कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन हैं और हमें 100 फ़ीसद उम्मीद है ये गठबंधन प्रदेश में आगे भी जारी रहेगा। धर्मेंद्र यादव ने दावा किया यूपी में अगली बार इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी और अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बनेंगे. सपा सांसद ने कहा कि हमें भरोसा है कि कांग्रेस सरकार बनाने में हमारी मदद करेगी। इंडिया गठबंधन के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने दावा किया कि ये गठबंधन बहुत अच्छा काम कर रहा है. हम नकारात्मक राजनीति नहीं करते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सोशल मीडिया बढ़ा रहा है मानसिक विकार!

जो उम्र बच्चों के दोस्ती करने, सामाजिक मूल्यों को सीखने, शारीरिक व मानसिक विकास करने तथा अपनी क्रिएटिविटी को विकसित करने, दादी-नानी की कहानियों को सुनकर उन चरित्रों में खुद को ढूंढने, बड़े होकर देश के लिए कुछ कर गुजरने, फिल्में देखकर हीरो की तरह विलेन को मारने की कल्पना करने की होती है, उस उम्र में वे प्रौद्योगिकी के गुलाम बनते जा रहे हैं।

डिजिटल युग के आने के बाद इंटरनेट ने सोशल मीडिया तक सबकी पहुंच को आसान बना दिया है। इस सोशल मीडिया ने लोगों को भले ही सोशल/सामाजिक बना दिया हो लेकिन इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि लोगों में मानसिक और शारीरिक व्याधियों को भी तेजी से विकसित किया है। उत्तम स्वास्थ्य के लिए नींद बहुत जरूरी है। परन्तु पिछले कुछ दशकों में बच्चों और किशोरों में नींद की कठिनाइयों में वृद्धि देखी गई है। जो उम्र बच्चों के दोस्ती करने, सामाजिक मूल्यों को सीखने, शारीरिक व मानसिक विकास करने तथा अपनी क्रिएटिविटी को विकसित करने, दादी-नानी की कहानियों को सुनकर उन चरित्रों में खुद को ढूंढने, बड़े होकर देश के लिए कुछ कर गुजरने, फिल्में देखकर हीरो की तरह विलेन को मारने की कल्पना करने की होती है, उस उम्र में वे प्रौद्योगिकी के गुलाम बनते जा रहे हैं। सृजनशीलता और कल्पनाशीलता के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ होना जरूरी है और मानसिक स्वास्थ्य के लिए समय पर सोना-जागना, संतुलित और पोषणयुक्त भोजन खाना, समूह में खेलना, व्यायाम करना भी जरूरी है और हमने तो बचपन में ही बच्चों की कल्पनाशीलता को समाप्त कर दिया। आंकड़े बताते हैं कि करीब 22.5 प्रतिशत बच्चे को नींद पूरी नहीं मिलती। 60 प्रतिशत बच्चों में अवसाद (डिप्रेशन) के लक्षण पाए गए, जबकि 65.7 प्रतिशत बच्चों में संज्ञानात्मक कमजोरी यानी सोचने और समझने की क्षमताओं में गिरावट देखी गई। आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि नींद की कमी केवल थकान या आलस्य की वजह नहीं है, बल्कि बच्चों में गंभीर मानसिक और बौद्धिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। परिवार, समाज, शिक्षण संस्थानों और प्रशासन सभी के लिए यह सोचने का विषय है कि क्यों आज के बच्चे किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी या गूगल के पास जाने के लिए बाध्य या प्रेरित हो रहे हैं? क्यों उन्हें बचपन से ही केवल कॅरियर पर फोकस करने की सलाह दी जाने लगी है। नींद की कमी का असर बच्चों की एकाग्रता, भावनात्मक संतुलन और पढ़ाई के प्रदर्शन पर भी पड़ता है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को यह सिखाया जाए कि टेक्नोलॉजी का प्रयोग मनोरंजन के साधन के रूप में नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से घंटों सोशल मीडिया पर समय बिता देते हैं। बल्कि केवल सूचना के एक उपकरण के रूप में ही इसका उपयोग करना चाहिए। मनोरंजन के तो अनेक पारम्परिक साधन हैं, जिनका उपयोग किया जा सकता है। अच्छी नींद लेने की आदत विकसित करनी चाहिए जिसके लिए एक नियमित समय पर सोने का रुटीन तय करना चाहिए। जब तक आवश्यक न हो देर रात तक जागने की उपेक्षा करनी चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नये कश्मीर के लिए नई उम्मीद जगाती एक ट्रेन

ज्योति मल्होत्रा

वर्ष 1897 में हुई सारागढ़ी की लड़ाई के एक साल बाद (वह इलाका अब पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत में है) और लगभग उस वक्त, जब चीन एक विदेशी शासन के खिलाफ विद्रोह (जिसे बॉक्सर विद्रोह के रूप में जाना जाता है) में लिप्त था, 1898 में डोगरा महाराजा प्रताप सिंह ने तत्परता से ब्रिटिश इंजीनियरों को रेलवे लाइन बनाने के वास्ते नियुक्त किया था, वह जो उनके राज के जम्मू संभाग को कश्मीर घाटी से जोड़ सके।

आज जब कटरा से वंदे भारत ट्रेन पहली बार श्रीनगर के लिए निकली ङ्क जिसकी सभी टिकटें बिक चुकी थीं ङ्क दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत दृश्यों के बीच से होते हुए और साथ ही हिंदू-बहुल जम्मू और मुस्लिम-बहुल कश्मीर के दिलो-दिमाग को जोड़ते हुए, तो महाराजा का वह सपना आखिरकार फलीभूत हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के माध्यम से रेलवे और केंद्र के सभी बुनियादी ढांचा मिशनों को आगे बढ़ाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी ले सकते हैं,न केवल चिनाब पर इंस्टा-रेडी आर्च ब्रिज बनाने के लिए, बल्कि जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच 272 किलोमीटर लंबी पटरियों पर 38 सुरंगों और 927 पुलों के लिए भी। सात जून निश्चित रूप से खास है- पाकिस्तान में आतंकियों के कई मुख्य ठिकानों पर 7 मई को किए गए हमले के ठीक एक महीने बाद, जिसमें वहां के पंजाब प्रांत के बीचों-बीच मुरीदके और बहावलपुर स्थित अड्डे भी शामिल थे, पहली बार यह रेलगाड़ी चली है। पहला, कि गोलियां बहादुरों को नहीं रोक सकतीं और दूसरा, कि केवल कायर ही अपने प्रतिद्वंद्वी को अपनी बात समझाने के लिए मतपत्र की बजाय उसे मिटाने के लिए गोलियों का इस्तेमाल करते हैं।

कश्मीर के लिए यह ट्रेन मरहम और प्रमाण, दोनों का काम करती है ङ्क वास्तव में तीन किस्म का प्रमाण। पहलगाम के नृशंस नरसंहार के कारण अमीर खुसरो की जन्नत में पर्यटन लगभग ठप्प सा हो गया था। कश्मीरियों ने मस्जिदों से और सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करके अपना दुख और गुस्सा जाहिर किया। यह इस बात का पहला सबूत है कि नए कश्मीर में मिज़ाज बदला-बदला सा है।

बेचारा असीम मुनीर। तथाकथित

'दो-राष्ट्र सिद्धांत' को दलदल से बार-बार बाहर निकालने की पाकिस्तान की हसरतों को किसी और ने नहीं बल्कि उसी कश्मीरी ने नाकाम कर दिया, जिसके नाम पर इस सिद्धांत को उछाला जाता है। वे 1947 में यह नहीं चाहते थे और 2025 में भी ऐसा नहीं चाहते। पाकिस्तान के सेना प्रमुख एक 'सयाने' व्यक्ति हैं; अब समय आ गया है कि वे कश्मीरी आवाम के इस संदेश को बूझें और समझें 'कश्मीर को अकेला छोड़ दो'।

मुनीर और उनके सैन्य प्रतिष्ठान को पता होना चाहिए कि पहलगाम हिंसा अनुच्छेद 370 के ताबूत में आखिरी टेढ़ी कील साबित होगा। कश्मीर के अंदर तमाम वो लोग जिन्होंने 2019 में अपने 'विशेष दर्जे' के अंत का शोक मनाया था, और आज भी 'आज़ादी' रूपी भ्रम में यकीन रखते हैं, आज, इस बड़े खेल के बड़े जोखिम को अब पूरी तरह से समझ गए होंगे। शायद, प्रधानमंत्री मोदी को भी जम्मू और कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न होने के बाद गुजरे नौ महीनों को लेकर कुछ आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

और सवाल करें कि असीम मुनीर के 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' के खिलाफ सबसे अच्छे हथियार के रूप में पूर्ण राज्य के दर्जे की बहाली, उस सूबे को क्यों नहीं दी जा सकती, जिसने लोकतंत्र के पक्ष में जी-जान से मतदान किया और इस प्रकार भारतीय संघ के साथ एकीकरण किया। विडंबना का इसके अधिक सबूत क्या होगा- जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, जिन्हें अनुच्छेद 370 समाप्त करने के बाद हर विरोध को कुचलने के उपायों के अंतर्गत 5 अगस्त, 2019 को नजरबंद कर दिया गया था, शुक्रवार को चिनाब पुल पर प्रधानमंत्री की बगल में खड़े थे और जहां उन्होंने पूछा कि उनका रुतबा एक पूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री से घटाकर केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में क्यों किया गया। जहां उनके इन शब्दों में हास्य और शालीनता, दोनों थे, वहीं दर्द भी झलक गया। आम कश्मीरी राजनेता, खासकर मुख्यमंत्री, जिसे वहां वजीर-ए-आला कहकर पुकारा जाता है, क्या प्रधानमंत्री उसे भरोसा करने लायक नहीं समझत सच तो यह है कि कानून एवं व्यवस्था, सुरक्षा, पोस्टिंग और अभियोजन के मामलों में लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा के पास मुख्यमंत्री अब्दुला की तुलना में कहीं अधिक शक्ति है।

तकनीकी दक्षता से युद्ध संचालन में शूरवीरता

सुरेश सेठ

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भी कहा कि हमें युद्ध की सच्चाई का सामना करना चाहिए। अपनी त्रुटियों का आकलन कर उन्हें तत्काल सुधारना आवश्यक है। तत्पश्चात दोगुने उत्साह के साथ आक्रामक रणनीति अपनानी चाहिए। जहां तक प्रचार तंत्र का प्रश्न है, वह भी अब युद्ध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। आज युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों के बीच नहीं, बल्कि प्रचार तंत्रों के बीच भी लड़े जाते हैं।

वाकई इस सदी में युद्ध और शौर्य के मायने बदल गए हैं। अब आमने-सामने की लड़ाइयों की जगह तकनीकी आधारित युद्ध ने ले ली है। जहां शौर्य का मूल्यांकन सैनिकों द्वारा आधुनिक हथियारों और तकनीक के प्रभावी उपयोग से होता है। आज युद्ध केवल सेना नहीं, बल्कि रक्षा उद्योग और प्रचार तंत्र भी मिलकर लड़ते हैं। आज के युद्धों में आमने-सामने की लड़ाई लगभग खत्म हो चुकी है। अब सटीक मिसाइलों और ड्रोनों के जरिये सैकड़ों मील दूर से दुश्मन को निशाना बनाया जाता है। शूरवीरता अब तकनीकी दक्षता से युद्ध संचालन में झलकती है। ड्रोनों के युद्ध में लक्ष्य महत्वपूर्ण होता है, न कि सैनिक की उपस्थिति। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ताजा उदाहरण है, जहां यूक्रेनी ड्रोन हमलों से रूस के हवाई ठिकानों को भारी नुकसान हुआ।

सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान के अनुसार, आधुनिक युद्धों का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। अब युद्ध कृत्रिम मेधा और हाइपरसोनिक तकनीक से संचालित होंगे, जिसके लिए सैन्य बलों को तकनीकी रूप से प्रशिक्षित करना जरूरी है। इन युद्धों में जान की क्षति कम, लेकिन आर्थिक तबाही अधिक होती है। साथ ही, युद्ध केवल हथियारों से नहीं, बल्कि प्रचार तंत्र से भी लड़े जाते हैं, जहां दुश्मन के झूठ का सामना सच से करना पड़ता है।

भविष्य की चुनौतियों को यदि आने वाले युद्धों के संदर्भ में देखा जाए, तो स्पष्ट होता है कि धरती का सच, राजनीति का सच और युद्ध के परिदृश्य अब बदल चुके हैं। तकनीकी बदलाव इतनी तेजी से हुए हैं कि पारंपरिक शौर्य पीछे छूट गया है।

पहले युद्ध उद्योगों की तबाही का प्रतीक माने जाते थे, लेकिन अब बिना उद्योगों के सहयोग और समर्थन के युद्ध लड़ा ही नहीं जा सकता। एक ओर जहां सेनानायक युद्ध का नेतृत्व करते हैं, वहीं दूसरी ओर उद्योग जगत भी एक समानांतर युद्ध लड़ता है। अत: यदि हमारे सेनानायक यह कहते हैं कि भारत को हथियारों के उत्पादन में आत्मनिर्भर होना चाहिए, तो यह बात पूरी तरह सही है। न केवल आत्मनिर्भरता, बल्कि रणनीति में अधुनातन हथियारों का निरंतर प्रयोग और उनका नियमित नवीनीकरण भी आवश्यक है।

अब युद्धों में सैंसर, लंबी दूरी तक मार करने वाले हाइपरसोनिक हथियारों, कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीकों का प्रयोग हो रहा है। शूरवीर पायलटों की जगह अब सटीक निशाना साधने वाले ड्रोन ने ले ली है।

हाल ही में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि सेना के सशक्तीकरण की बड़ी-बड़ी योजनाएं तो घोषित की जाती हैं, लेकिन वे समय पर पूरी नहीं होतीं। उन्होंने तेजस विमानों की आपूर्ति में देरी को विशेष रूप से चिन्हित किया। यदि कोई योजना घोषित की जाती है, तो उसका समय पर क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भी कहा कि हमें युद्ध की सच्चाई का सामना करना चाहिए। अपनी त्रुटियों का आकलन कर उन्हें तत्काल सुधारना आवश्यक है। तत्पश्चात दोगुने उत्साह के साथ आक्रामक रणनीति अपनानी चाहिए। जहां तक प्रचार तंत्र का प्रश्न है, वह भी अब युद्ध का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। आज युद्ध केवल सैनिकों और हथियारों के बीच नहीं, बल्कि प्रचार तंत्रों के बीच भी लड़े जाते हैं। कई समृद्ध देशों ने हथियार निर्माण को व्यापार बना लिया है। उनके लिए युद्ध एक सतत बाजार बन गया है—जहां उनके रक्षा उत्पादों की खपत निरंतर बढ़ती रहे। यही कारण है कि युद्ध का माहौल बनाए रखना भी कुछ देशों की नीति का हिस्सा बन गया है—चाहे वह रूस-यूक्रेन युद्ध हो, चीन और ताइवान के बीच तनाव हो या भारत-पाकिस्तान के बीच जारी छद्म युद्ध।

इस परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी विजय के दावे दुश्मन के झूठ?पर भारी पड़ें।?हमारा प्रचार तंत्र इतना सशक्त होना चाहिए कि वह दुनिया को सच्चाई बता सके—कि हमने यह युद्ध आतंकवादी गतिविधियों को समाप्त करने के लिए लड़ा था, जो भारत के आम नागरिकों पर हिंसा थोप रही थीं। यह वही हिंसा थी, जिसने महिलाओं का सिंदूर मिटाया और बच्चों के सिर से पिता का साया छीन लिया। आज के युद्ध आम आदमी की सुरक्षा के लिए लड़े जा रहे हैं—मगर अब न घोड़ों और रथों से, न तीर और तलवार से, बल्कि आधुनिक तकनीकी अनुसंधान और प्रौद्योगिक नवाचारों के जरिए। परमाणु युद्ध की धमकी से अधिक कारगर अब प्रौद्योगिक युद्ध सिद्ध हो रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सफलता इसलिए उल्लेखनीय रही, क्योंकि हमने नवीनतम हथियारों का सटीक और कुशलतापूर्वक उपयोग किया। यही सफलता हमें भविष्य में चौकसी और तत्परता के साथ हर परिस्थिति में युद्ध लड़ने में सक्षम बनाएगी। यही वक्त की मांग भी है।

इन जगहों पर मिलेगा सुकून और ठंडक

अधिकतर स्कूल-कॉलेज मई माह में बंद हो जाते हैं। इस महीने से गर्मी अधिक पड़ने लगती है, इसलिए लोग ठंडक महसूस करने के लिए किसी सुकून भरे और ठंडे स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। अब छुट्टियां मिल रही हों और घूमने का माहौल भी हो तो सफर की योजना तो बनानी ही चाहिए। लेकिन इतने गर्म तापमान में कहां घूमने जाएं, जहां सुकून, ठंडक और सुंदर नजारे प्राप्त हो। वैसे तो कई हिल स्टेशन हैं, जहां इस गर्मी में हल्की ठंड को महसूस किया जा सकता है लेकिन पूरा पैसा वसूल ट्रिप की योजना है तो देश की कुछ जगहें हैं जहां जाना सबसे बेहतर फैसला हो सकता है। इस महीने में कुछ जगहों पर आनंददायक माहौल हो जाता है। यहां का मौसम घूमने के लिहाज से बेहतर हो जाता है और नजारे तो देखने योग्य होते हैं।

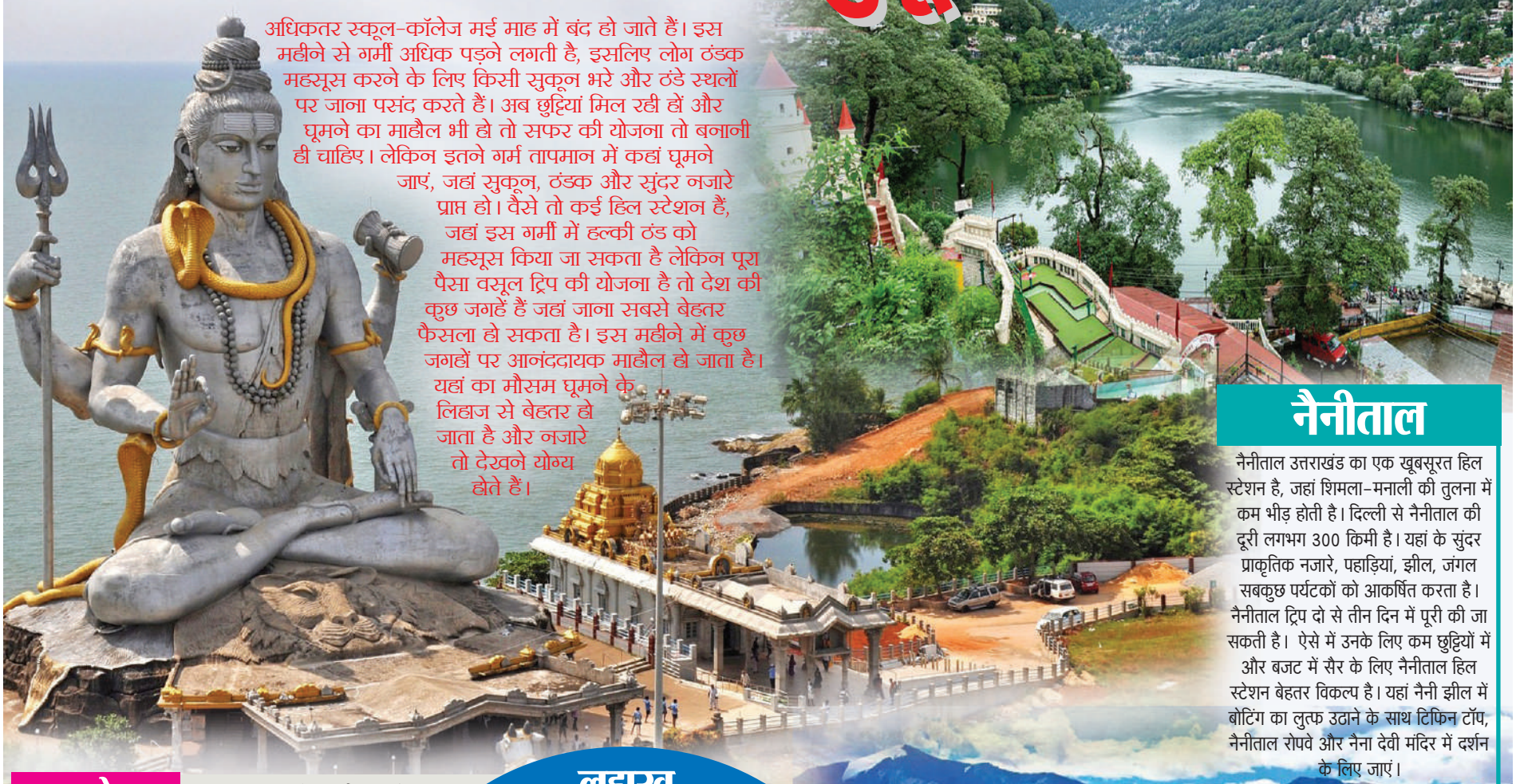

नैनीताल

नैनीताल उत्तराखंड का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जहां शिमला-मनाली की तुलना में कम भीड़ होती है। दिल्ली से नैनीताल की दूरी लगभग 300 किमी है। यहां के सुंदर प्राकृतिक नजारे, पहाड़ियां, झील, जंगल सबकुछ पर्यटकों को आकर्षित करता है। नैनीताल ट्रिप दो से तीन दिन में पूरी की जा सकती है। ऐसे में उनके लिए कम छुट्टियों में और बजट में सैर के लिए नैनीताल हिल स्टेशन बेहतर विकल्प है। यहां नैनी झील में बोटिंग का लुत्फ उठाने के साथ टिफिन टॉप, नैनीताल रोपवे और नैना देवी मंदिर में दर्शन के लिए जाएं।

महाबलेश्वर

महाराष्ट्र का महाबलेश्वर भी पर्यटकों के पसंदीदा स्थलों में से एक है। मई में महाबलेश्वर का मौसम सुहाना रहता है जो चिलचिलाती गर्मी से राहत देता है। भीड़भाड़ से दूर इस शहर का वातावरण शांत और सुंदर होता है। महाबलेश्वर में वेन्ना झील, एलिफंट हेड पॉइंट, मैप्रो गार्डन, प्रतापगढ़ किला, लिंगमाला झरना और विल्सन पाइंट घूमने जा सकते हैं। महाबलेश्वर में सबसे प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक वेन्ना झील एक चहल-पहल वाला पर्यटक स्थल है। झील चारों तरफ से पेड़ों से घिरी हुई है, और यहां नाव से सवारी करने का विकल्प भी है। यह देर रात तक खुला रहता है ताकि आप दिन के समय अद्भुत हरियाली का आनंद ले सकें और रात में झील के किनारे आराम कर सकें।

लद्दाख

लद्दाख बेहद खूबसूरत जगह है, जहां बड़ी तादाद में टूरिस्ट जाते हैं और यहां की वादियों, पहाड़ों और नदियों के नजारों का लुत्फ उठाते हैं। यह केंद्र शासित प्रदेश हमेशा से ही सैलानियों का फेवरेट डेस्टिनेशंस रहा है। इसे लिटिल तिब्बत भी कहा जाता है, क्योंकि यहां तिब्बती संस्कृति की झलक मिलती है। यहां अलची, नुब्रा घाटी, हेमिस लमयोरू, जांस्कर घाटी, कारगिल, अहम पैंगांग त्सो, और त्सो कार और त्सो मोरीरी आदि कई फेमस पर्यटक स्थल हैं। गर्मी के महीने में लद्दाख का मौसम सामान्यतः सुहाना रहता है और रातें ठंडी होती हैं। यह महीना लद्दाख घूमने के लिए एक अच्छा समय है।

हंसना मना है

सासः जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाईः सासू मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा। सासः छिपकली क्यूं? जमाईः क्योंकि आपकी बेटी छिपकली से बहुत डरती है।

पति- सुनो, तुमने मुझमें ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी। पत्नी- मैंने बालकनी से आपको एक-दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

प्रेमिकाः तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमीः जो तुम चाहो मेरी जान। प्रेमिकाः रिंग? प्रेमीः ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पंड़ितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंड़ितः क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंड़ित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इसने चिकन में डाला ही क्यों?

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब ये था की जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

कहानी | जिंदगी में प्राथमिकता सेट करें

एक बार फिलोसॉफी की क्लास में एक प्रोफेसर प्रवेश करते हैं। उनके साथ में एक कांच का जार, कुछ पत्थर, कंकड़ और कुछ बालू भी थी। प्रोफेसर के प्रवेश करते ही सभी ने अभिवादन किया। प्रोफेसर ने बताया की आज क्लास में अन्य क्लास की अपेक्षा कुछ खास सीखने को मिलेगा। विद्यार्थी खुश एवं एक्ससिटेड थे, आज कुछ सीखने को मिलेगा। प्रोफेसर अब खाली जार में पत्थरों को भरना शुरू किया, जब तक जार भर नही गया। जार भरने पर प्रोफेसर ने विद्यार्थियों से पूछा- क्या जार भर गया? सभी ने हां में उत्तर दिया। अब प्रोफेसर ने कंकडों को जार में डालना शुरू किया, साथ ही साथ जार को हिलाया भी, जिससे पत्थरों के बीच में कंकड़ अपना रास्ता आसानी से बना पाए। जब जार भर गया तो दोवारा प्रोफेसर ने विद्यार्थियों से पूछा- क्या अब जार पूरा भर गया? इस पर दोबारा विधार्थितो ने हां में जवाब दिया। अब प्रोफेसर ने उसमें बालू के कण डालने आरम्भ किये, बालू के कण अपना रास्ता बनाते हुए उस जार में प्रवेश कर गये। प्रोफेसर के दोबारा पूछने पर विद्यार्थियों में कहा अब जार पूर्ण रूप से भर गया है। ऐसा सुनकर प्रोफेसर ने पानी लेकर उस जार में उड़ेल दिया। वह भी उसमें समा गया। प्रोफेसर ने विद्यार्थियों को समझाते हुए बताया, कि आपको अपने जीवन में प्राथमिकता को सेट करना होगा। जिंदगी भी एक कांच के जार की तरह है, जिसमें सबसे जरूरी पत्थर है, क्योंकि पत्थर से अभिप्राय आपके परिवार, चरित्र और स्वास्थ्य है, जबकि कंकड़ आपकी नौकरी एवं अन्य आवश्यकता है तथा बालू हमारे जीवन की छोटी-छोटी जरूरतों का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए यदि हम अपने जीवन रूपी जार में पहले बालू भर देंगे तो बाकी चीजों के लिए जगह नहीं बचेगी। इसलिए आपके जीवन में जो सबसे ज्यादा जरूरी है, उसे ज्यादा महत्व और समय दें।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा।

वृषभ लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। परिवार की चिंता बनी रहेगी।

कन्या किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

तुला प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कुम्भ दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

सिंगर दुआ पर विवादित टिप्पणी के बाद बादशाह ने दी सफाई

रैपर बादशाह ने बीते दिनों एल्बानियन सिंगर दुआ लीपा पर विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद से ही बादशाह मुश्किलों में फंसते नजर आ रहे हैं, क्योंकि नेटिजंस उन्हें खूब खरी-खोटी सुना रहे हैं। हालांकि, अब रैपर ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है और कहा कि किसी महिला के लिए इससे सुंदर तारीफ नहीं हो सकती है। सिंगर दुआ लीपा के बारे में अभद्र टिप्पणी करने के बाद से नेटिजंस बादशाह पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं और उनकी सोच घिनौनी बता रहे हैं। अब उन्होंने इस मामले पर एक और ट्वीट करते हुए सफाई दी है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट किया, 'मुझे लगता है एक महिला, जिसकी आप वाकई प्रशंसा करना चाहते हैं, उसकी तारीफ में आप उनके लिए ये कामना कर सकते हैं कि वो आपके बच्चे की मां बनें। इससे सुंदर तारीफ किसी भी औरत के लिए और क्या होगी। मेरी सोच नहीं, तुम्हारी असली सोच सामने आई है।'बीते शुक्रवार यानी कि 6 जून को रैपर बादशाह ने अपने एक्स अकाउंट पर एल्बानियन सिंगर दुआ लिपा के बारे में एक ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने लाल दिल वाला इमोजी लगाते हुए दुआ लीपा लिखा था। इस ट्वीट पर एक यूजर ने पूछा कि क्या आप पॉप सिंगर के साथ किसी प्रोजेक्ट में नजर आने वाले हैं। इसके जवाब में बादशाह ने कहा कि वो सिंगर के साथ बच्चे पैदा करना चाहता हैं। इस टिप्पणी के आते ही नेटिजंस ने बादशाह की सोच को बहुत गिरी हुए बताते हुए कमेंट बॉक्स में उनकी खूब आलोचना की। रैपर बादशाह सिंगिंग की दुनिया का चर्चित नाम हैं। उन्हें 'मर्सी', 'अक्कड़ बक्कड़', 'गर्मी' और 'सनक' जैसे गानों के लिए जाना जाता हैं। इसके अलावा लीपा की बात करें तो, वह एक एल्बानियाई गायिका हैं, जो 'लेविटेटिंग', 'हुडिनी' और 'ट्रेनिंग सीजन' जैसे गानों के लिए लोकप्रिय हैं। वह पिछले साल नवंबर में भारत आई थीं, जिस दौरान उन्होंने अपने रेडिकल ऑप्टिमिज्म टूर के तहत मुंबई में परफॉर्म किया था।

श्रद्धा मेरी पसंदीदा एक्ट्रेस है: पद्मिनी

अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे ने बहुत छोटी उम्र में ही स्टारडम देख लिया था। फिल्म 'प्रेम रोग', 'वो सात दिन', 'साजन बिना सुहागन' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों से उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बनाई। हालांकि आज की नई पीढ़ी और उनके काम को एक्ट्रेस बखूबी समझती हैं। बातचीत के दौरान, जब उनसे पूछा गया कि आज की एक्ट्रेसेज में उन्हें कौन सबसे पसंद है तो उन्होंने बिना एक भी पल रुके कहा श्रद्धा कपूर। क्योंकि श्रद्धा सिर्फ उनकी भांजी नहीं, बल्कि एक टैलेंटेड और मेहनती एक्ट्रेस भी हैं। बिल्कुल ये मैं सिर्फ इसलिए नहीं कह रही कि वो मेरी भांजी है, बल्कि इसलिए भी कि उसने अपने दम पर जो मुकाम हासिल किया है, वो काबिल-ए-तारीफ है। मैंने उसे बचपन से देखा है - बेहद मेहनती, ईमानदार और सच्चे दिल से काम करने वाली है।

बोलीं- 'आशिकी 2' मैंने कई बार देखी

'आशिकी 2' जैसी फिल्म से उसने जो छाप छोड़ी, वो बहुत कम कलाकारों में दिखती है। हां, 'आशिकी 2' मैंने कई बार देखी है। उस फिल्म में उसकी परफॉर्मेंस दिल छू लेने वाली थी। उसके इमोशन्स, मासूमियत और सादगी सब कुछ इतना नैचुरल लगा। मुझे लगता है वो रोल जैसे उसी के लिए लिखा गया था। जब आप स्टार बनीं तब उम्र बहुत कम थी, तब उस स्टारडम को संभालना कितना मुश्किल था? बहुत मुश्किल था। लोग बस परदे पर चमक-धमक देखते हैं, पर पीछे कितना दबाव होता है, ये कोई नहीं समझता। उस दौर में सोशल मीडिया नहीं था, लेकिन फिर भी कैमरे और लोगों की नजरों में रहना आसान नहीं था। मेरे माता-पिता और बहन शिवांगी ने मुझे हमेशा बैलेंस बनाए रखने में मदद की। आज की लड़कियों को देखकर लगता है कि उनका काम और भी कठिन है। बिल्कुल। पहले हीरोइन की भूमिका स्क्रिप्ट के आखिर में जुड़ती थी, अब कहानियां उसी से शुरू होती हैं। आज की एक्ट्रेसेस को मजबूत और लेयर्ड किरदार मिल रहे हैं। कई फिल्में तो एक्ट्रेस को ध्यान में रखकर ही लिखी जाती हैं। अब सब कुछ बहुत प्रोफेशनल हो गया है। पहले हम इमोशन और इंस्टिंक्ट से काम करते थे, अब हर चीज प्लान के मुताबिक होती है। आज के एक्टर्स अपने रोल के लिए मेहनत करते हैं, वर्कशॉप्स करते हैं, स्क्रिप्ट पर काम करते हैं। टेक्नोलॉजी और तैयारी - दोनों जबरदस्त हैं। बता दें पद्मिनी इन दिनों चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान शो मे राजमाता के किरदार में नजर आ रही हैं।

आमिर ने सितारे जमीन पर को लेकर दर्शकों से की अपील

आमिर खान अभिनीत सितारे जमीन पर जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस समय एक्टर अपनी फिल्म के प्रचार-प्रसार में जोरों शोरों से लगे हुए हैं।

बोले- 'अगर चोरी करना गलत है तो पाइरेटेड फिल्मों को भी देखना गलत है

बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म के पाइरेटेड वर्जन से बचने और कलाकारों के सम्मान करने की बात कही है। आमिर ने बातचीत के दौरान कहा, 'जब आप किसी फिल्म का पाइरेटेड वर्जन देखते हैं, तो आप अनजाने में बहुत नुकसान पहुंचा रहे होते हैं। बहुत से लोग इसके प्रभाव का एहसास नहीं करते हैं।' इसके अलावा एक्टर ने कहा कि अगर आप किसी चीज को चुराना गलत समझते हैं, तो पाइरेटेड फिल्मों को भी देखना गलत बात है। आगे उन्होंने कहा, 'हम चाहते हैं कि लोग इसे सही तरीके से देखें, न कि पाइरेसी के जरिए। हम फिल्म के अवैध प्रसारण को रोकने और कम करने में मदद के लिए एजेंसियों की सेवाएं लेंगे।' आमिर खान ने बीते दिनों पुष्टि की थी कि उनकी 91 वर्षीय मां जीनत खान और उनकी बहन निखत खान भी फिल्म में दिखाई देंगी। हालांकि, उन्होंने साफ किया था उनकी मां सिर्फ एक गाने में नजर आएंगी। आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर का निर्देशन आर.एस प्रसन्ना ने किया है और इसे आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के तहत तैयार किया गया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में 20 जून को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में 10 नए कलाकार नजर आएंगे, जिनमें अरूश दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, संवित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहनी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर शामिल हैं।

यकीन नहीं होगा, पैरों से सांस लेता है ये 3 आंखों वाला जानवर

समुद्री बंदर या सी मंकी छोटे, लेकिन आकर्षक जीव हैं। वे बच्चों और बड़े दोनों का ही ध्यान खींचते हैं। वे एक प्रकार के नमकीन झींगे हैं, जिन्हें वैज्ञानिक रूप से आर्टेमिया सलीना के रूप में जाना जाता है। ये छोटे जीव तब जीवित हो जाते हैं जब आप उनके अंडों में पानी डालते हैं, जो सालों तक निष्क्रिय रह सकते हैं। पहली बार 1950 के दशक में इंस्टेंट पेट के रूप में उनकी मार्केटिंग की गई थी। तब से वे एक लोकप्रिय विज्ञान प्रयोग और नवीनता वस्तु बने हुए हैं। सी मंकी या समुद्री बंदर 1957 में हेरोल्ड वॉन ब्रौनहुत के दिमाग की उपज थे। उन्होंने सरल, देखभाल में आसान पालतू जानवरों की अपील को पहचाना और चींटी फार्म की सफलता पर निर्माण किया। उनका इरादा एक ऐसा प्रोडक्ट बनाना था जिसे सिर्फ पानी से जीवित किया जा सके, और सी-मंकीज बच्चों और बड़ों दोनों में तुरंत लोकप्रिय हो गए। जिसमें उन्हें चतुराई से दिए गए नाम सी मंकी की बड़ी भूमिका थी। सी-मंकी में क्रिप्टोबायोसिस की हालत में जाने की बहुत ही खास काबिलियत होती है। इसमें, उनके अंडे लंबे समय तक चरम कुदरती माहौल का सामना कर सकते हैं। जो छोटे जीव निकलते हैं उन्हें नॉप्लिअस लार्वा के तौर पर जाना जाता है, और 8-10 हफ्तों के दौरान, ये लार्वा पूरी तरह से परिपक्व वयस्कों में विकसित होते हैं। समुद्री बंदरों की सबसे असामान्य जैविक विशेषताओं में से एक यह है कि वे अपने पैरों से सांस लेते हैं। इस प्रक्रिया को शाखा श्वसन कहा जाता है, जहां वे पानी से ऑक्सीजन को अवशोषित करने के लिए अपने पैरों का इस्तेमाल करते हैं। ढलने की यह आकर्षक काबिलियत कई जलीय आर्थ्रोपोड्स में आम है। सी-मंकी केवल एक आंख के साथ पैदा होते हैं। जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, उनकी दो और आंखें विकसित होती हैं, जिससे उनकी कुल संख्या तीन हो जाती है। यह अनोखा विकास उन्हें जानवरों के साम्राज्य में उन कुछ अनूठे जीवों में से एक बनाता है जिनके पास यह अनोखी नेत्र व्यवस्था है। सी-मंकी बहुत ही फोटोटैक्टिक होते हैं। इसका मतलब है कि वे प्रकाश की ओर आकर्षित होते हैं।

अजब-गजब | ये हैं दुनिया का अजीबोगरीब कब्रिस्तान

कहीं कारें तो कहीं दफन हैं जहाज

लाशें सिर्फ इंसान की ही नहीं होतीं, जब सामान पुराने हो जाते हैं, उन्हें यहां-वहां कबाड़ की तरह छोड़ दिया जाता है और देखते ही देखते वो लाश जैसे बन जाते हैं। धीरे-धीरे सैकड़ों लाशें जमा हो जाती हैं और वो एक तरह का कब्रिस्तान बन जाता है। दुनिया में ऐसे कई कब्रिस्तान हैं, जो इंसानों से जुड़े नहीं हैं, बल्कि वहां पर कारों से लेकर जहाज तक दफन हैं। इन जगहों को देखकर आपकी रूह कांप जाएगी, क्योंकि ये काफी डरावनी जगहें लगती हैं! ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार चीन के शहर हांगजू के बाहर एक कब्रिस्तान है, जहां सैकड़ों इलेक्ट्रिक कारें दफन हैं। अब इनकी हालत ये हो चुकी है कि इन कारों के अंदर पौधे उग आए हैं। चीन में 2018 का दौर ऐसा आया जब ऑटो कंपनियां एक के बाद एक इलेक्ट्रिक गाड़ियां लॉन्च करने लगीं और सबके फीचर पहले वाले से बेहतर होने लगे। उसके बाद लोग अपनी पुरानी गाड़ियां यूं फेंकने लगे। ट्रेन के डिब्बों का कब्रिस्तान- ग्रीस के दूसरे सबसे बड़े शहर थेसालोनिकी में ट्रेन के डिब्बों का कब्रिस्तान है। एटलस ऑब्सक्यूरा वेबसाइट के अनुसार 1980 के दशक से जब ट्रेन के डिब्बे पुराने हो जाते थे, तो प्रशासन उन्हें यहां पर डंप कर देते थे। सालों से ये सैकड़ों डिब्बे यहां पड़े हैं। कबाड़ के तौर पर लोहे को नीलाम करने की कोशिश भी होती है,

मगर डिब्बे इतने ज्यादा हो चुके हैं कि ये अब कम नहीं हो पाते। जहाजों का कब्रिस्तान- ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में टैंगालूमा बीच के पास जहाजों का एक कब्रिस्तान है जहां डूबी हुई करीब 15 शिप पानी में दफन हैं। लोग इन्हें देखने के लिए आते हैं। वैसे दुनिया में कई और तरह के जहाजों के कब्रिस्तान मौजूद हैं। जैसे भारत में गल्फ ऑफ खंभात में डीकमिशन्ड क्रूज शिप को भेजा जाता है, जहां उन्हें स्क्रैप किया जाता है। टेलिफोन बूथ का कब्रिस्तान- 20वीं सदी के ब्रिटेन में लाल रंग के टेलिफोन बूथ काफी फेमस थे जो गली-मोहल्लों में सड़क के किनारे लगे दिख जाते थे। पर जब ये पुराने हो गए और हटाए जाने लगे तो उन्हें एक जगह पर लाकर फेंक दिया गया। सरे के मर्सथैम में लाल टेलिफोन बूथ का कब्रिस्तान मौजूद है। टायरों का कब्रिस्तान- कुवैत में एक टायरों का कब्रिस्तान है। रॉयटर्स के अनुसार वहां पर 4 करोड़ से ज्यादा पुराने टायर्स पड़े हुए हैं। ये दुनिया का सबसे बड़ा टायरों का कब्रिस्तान है, हालांकि, अब वहां की सरकार उसे रिसाइकिल करने की योजना बना रही है। हवाईजहाज का कब्रिस्तान- अमेरिका के एरिजोना में हवाई जहाजों का एक कब्रिस्तान है जिसका नाम डेविस-मॉनथन आर्मी एयर फोर्स बेस है। ये दुनिया का सबसे बड़ा हवाईजहाज का कब्रिस्तान है जहां 3200 से ज्यादा हवाईजहाज, 6100 इंजन, और कई अन्य कबाड़ के तौर पर चीजें रखी गई हैं।

गहलोत-पायलट की मुलाकात पर बदले सियासी हालात

» राजस्थान में फिर गुर्जर उग्र हुए, भाजपा ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में गुर्जर आरक्षण की चिंगारी एक बार फिर सुलगती नजर आई, लेकिन इस बार मामला सरकार के आश्वासन पर शांत हो गया कम से कम ऊपर से। भरतपुर के पीलूपुरा में हुई गुर्जर महापंचायत भले ही शांतिपूर्वक समाप्त हो गई हो, लेकिन इसके तुरंत बाद कुछ युवाओं द्वारा दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक को जाम करना नए सियासी बवाल की वजह बन गया है। गुर्जर समाज की इस महापंचायत का नेतृत्व विजय बैंसला ने किया, जो खुद गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष और दिवंगत कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे हैं।

ध्यान देने वाली बात यह भी रही कि महापंचायत उसी जगह आयोजित हुई, जहां 2008 में कर्नल बैंसला ने ऐतिहासिक आंदोलन की नींव रखी थी। लेकिन इस बार मामला थोड़े वक्त में ठंडा पड़ गया, हालांकि ट्रैक पर बैठी भीड़ ने एक बार फिर हलचल पैदा कर दी। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने तंज कसते हुए कहा, अगर यह आंदोलन गहलोत और सचिन पायलट की हालिया मुलाकात के बाद भड़का है, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या यह सिर्फ संयोग है या इसके पीछे कोई सियासी प्रयोग? जब उनसे पूछा गया कि विजय बैंसला खुद बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं, तो राठौड़ ने कहा, विजय बैंसला ने समाज के मंच से मांग उठाई है, जो उनका हक है। लेकिन अपनी मांगों को मनवाने के लिए आमजन को परेशान करना, रेलवे ट्रैक जाम करना, ये सही तरीका नहीं है। आंदोलन का अधिकार सबको है, लेकिन लोकतंत्र में अनुशासन भी जरूरी है।

जनजीवन नहीं हो अस्त-व्यस्त, सरकार का सख्त रुख

राठौड़ ने साफ कहा कि सरकार ने लॉ एंड ऑर्डर बिगड़ने नहीं दिया। उन्होंने हमारी सरकार पूरी तरह सतर्क थी। आंदोलन करने का हक सभी को है, लेकिन शांति बनाए रखते हुए। रेलवे ट्रैक या सड़कें जाम करके किसी भी मांग को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने यह भी दोहराया कि सरकार समाज के साथ संवाद में विश्वास रखती है, लेकिन ट्रैक रोकने जैसे कदमों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विजय बैंसला को लेकर बयान में नरमी, लेकिन चेतावनी भी

कांग्रेस की सरकारों में क्यों नहीं होता आंदोलन : राठौड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में राठौड़ ने कहा कि गुर्जर आंदोलन जब भी होता है, भाजपा की सरकार में ही क्यों होता है? कांग्रेस की सरकार में ऐसा क्यों नहीं होता? क्या यह सब कुछ प्रायोजित नहीं है? राठौड़ ने ये भी जोड़ा कि वसुंधरा राजे की सरकार में भी गुर्जर आंदोलन हुआ था और अब भजनलाल शर्मा की सरकार के शुरुआती महीनों में ही फिर वही हालात बन रहे हैं।

पंजाब में नशे को लेकर गरमाई सियासत

» आप ने कहा- अकाली व कांग्रेसियों का डोप टेस्ट कराना पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार के युद्ध नशे के विरुद्ध कार्यक्रम पर लगातार विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर कैबिनेट सब कमेटी के चेयरमैन वित्तमंत्री हरपाल सिंह चीमा ने अकाली और कांग्रेसियों पर निशाना साधा। कहा कि पंजाब में नशे के लिए अकाली और कांग्रेस की सरकारें जिम्मेदार हैं। लगता है अकाली और कांग्रेसी विधायकों का डोप टेस्ट कराना पड़ेगा। दरअसल वित्तमंत्री से कांग्रेस के कुछ नेताओं ने किसानों को अफीम की खेती की मंजूरी देकर उनकी आय बढ़ाने की पैरवी की बात कही थी। इस पर चीमा ने अकाली और कांग्रेस की पूर्व सरकारों को कटघरे में खड़ा किया।

मीडिया से बातचीत में बीते दिनों जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मौत होने के मामले पर वित्तमंत्री ने कहा कि उनके हाथ ऐसे वीडियो और सबूत हाथ लगे हैं, जोकि यह बताते हैं कि जहरीली शराबकांड के आरोपियों में अकाली नेताओं से जुड़े लोग इसमें शामिल है। कई अकाली नेताओं के भतीजे व भाई सरकारी टैंकरों से मेथेनॉल चोरी के मामले में भी पकड़े गए हैं।

सभी विधायकों का डोप टेस्ट जरूरी : वडिंग

वित्तमंत्री चीमा के डोप टेस्ट के बयान पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने पलटवार किया। कहा कि वह डोप टेस्ट कराने के लिए तैयार हैं, बशर्ते वित्तमंत्री भी उनके साथ डोप टेस्ट करवाएं। वड़िंग ने कहा कि नेकी और पूछ-पूछ। उन्होंने कहा कि चीमा सरकार में हैं। उन्हें विधानसभा में प्रस्ताव लाकर सभी विधायकों का डोप टेस्ट जरूरी कर देना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि कौन-कौन लोग शराब, अफीम या अन्य नशे का सेवन करते हैं।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में धोनी शामिल

» इस सूची में शामिल होने वाले हैं 11वें भारतीय खिलाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। धोनी भारत के 11वें खिलाड़ी हैं जिन्हें इस सूची में शामिल किया गया है। उनसे पहले नीतू डेविड, वीरेंद्र सहवाग, डियान एडुल्जी, विनोद मांकड़, सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले, कपिल देव, बिशन सिंह बेदी और सुनील गावस्कर को यह सम्मान मिल चुका है। गावस्कर और बिशन सिंह बेदी भारत से आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उन्हें यह सम्मान 2009 में मिला था।

धोनी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए हुए करीब पांच साल हो गए हैं। धोनी ने भारत के लिए आखिरी मैच 2019 वनडे विश्वकप के सेमीफाइनल में खेला था। भारत वो मुकाबला हार गया था और टूर्नामेंट से बाहर हो गया था। इसके बाद धोनी ने भारत के लिए कोई मुकाबला नहीं खेला और फिर 15 अगस्त 2020 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया। कैप्टन कूल के नाम से प्रसिद्ध रहे धोनी भारत के सबसे सफल कप्तान में से एक हैं। धोनी ने भारत को अपनी कप्तानी में 2007 टी20 विश्वकप, 2011 वनडे विश्व कप और 2013 चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब दिलाया था। धोनी भारत के एकमात्र कप्तान हैं जिनकी कप्तानी में टीम ने तीन आईसीसी खिताब जीते हैं। इसके अलावा उनके नेतृत्व में भारत ने 2010, 2016 में एशिया कप का खिताब भी जीता था। धोनी ने 2004 में बांग्लादेश के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया था।

29 साल के निकोलस पूरन ने लिया संन्यास

त्रिनिदाद। वेस्टइंडीज के स्टार क्रिकेटर निकोलस पूरन ने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये इसकी घोषणा की। पूरन वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा टी20 खेलने वाले खिलाड़ी हैं। साथ ही इस प्रारूप में उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए सबसे ज्यादा रन भी बनाए हैं। पूरन ने एक लंबा नोट लिखकर संन्यास की घोषणा की। पूरन ने लिखा- यह काफी मुश्किल था, लेकिन मैंने इस पर काफी सोच विचार किया और इसके बारे में काफी गहनता से सोचा। आप सभी को मेरा प्यार। पूरन ने अपने नोट में लिखा, क्रिकेट की जनता के लिए- बहुत सोच-विचार और चिंतन के बाद, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए 61 वनडे और 106 टी20 मैच खेले। वनडे में उनके नाम 39.66 की औसत से 1983 रन और टी20 में 26.15 की औसत और 136.40 के स्ट्राइक रेट से 2275 रन हैं। वनडे में पूरन ने तीन शतक और 11 अर्धशतक लगाए। वहीं, टी20 में उन्होंने 13 अर्धशतक लगाए। पूरन ने वेस्टइंडीज के लिए कभी टेस्ट मैच नहीं खेला।

मूंग के किसानों के साथ धोखा : पटवारी

» पीसीसी चीफ ने सीएम को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में किसानों की मूंग नहीं खरीदे जाने पर सियासत शुरू हो गई है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिख किसानों की मूंग खरीदने का आग्रह किया है। वहीं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने वीडियो जारी कर मूंग नहीं खरीदे जाने पर सवाल खड़े किए हैं। पटवारी ने मांगे पूरी नहीं होने पर प्रदेश में आंदोलन की चेतावनी दी है। एमएसपी में मूंग खरीदी नहीं होने पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा है की मूंग उपजाने वाले लाखों किसानों के साथ धोखा है। सरकार ने मूंग की सरकारी खरीदी से इनकार कर किसानों की मेहनत और भरोसे पर कुठाराघात किया है।

कभी दुगनी आमदनी का सपना दिखाने वाली भाजपा अब मूंग को ज़हरीला बताकर पल्ला झाड़ रही है। इससे किसानों को 6000 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होगा। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को लिखे पत्र में कहा है कि प्रदेश के लाखों किसान फिर गहरी पीड़ा और निराशा में हैं। ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल का उत्पादन करने वाले किसानों को भाजपा सरकार की उदासीनता, वादाखिलाफी और प्रशासनिक अस्थिरता के कारण गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के छोटे भाई लक्ष्मण सिंह को निलंबित करने का प्रस्ताव मध्य प्रदेश कांग्रेस की ओर से एआईसीसी को भेजा गया है। लक्ष्मण सिंह ने हाल ही में पार्टी नेतृत्व के खिलाफ तीखी टिप्पणियां की थीं। उन्होंने 24 अप्रैल को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, रॉबर्ट वाड्रा और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के खिलाफ बयान दिया था।

सरकार की कोई स्पष्ट नीति नहीं

पटवारी ने आगे लिखा कि हर वर्ष अप्रैल-मई में मूंग की खरीदी के लिए पंजीयन प्रक्रिया शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार सरकार ने कोई स्पष्ट नीति घोषित नहीं की। न तो समय पर खरीदी की घोषणा की गई, न ही कोई वैकल्पिक योजना सामने रखी गई। आपकी सरकार की ओर से यह कहा जाना कि मूंग में अत्यधिक रसायनों का प्रयोग हुआ हुआ है यह न केवल वैज्ञानिक तथ्यों से परे है, बल्कि किसानों की समझ पर सवाल उठाने वाला भी है। यदि ये रसायन इतने ही खतरनाक हैं, तो फिर सरकार इनकी बिक्री को लाइसेंस क्यों दे रही है?

स्मार्ट सिटी सीवर परियोजना में धांधली का खेल!

» सीवर में एमएस पाइप की जगह आरसीसी के घटिया पाइप का हो रहा प्रयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में स्मार्ट सिटी के तहत हो रहे सीवर के काम में बड़ा खेल हो रहा है। के के स्पन इंडिया लिमिटेड कम्पनी इस धांधली के खेल में शामिल है। कंपनी रायबरेली,मुरादाबाद,बरेली में सीवर और लखनऊ में स्मार्ट सिटी का काम कर रही है। गोमती रिवर फ्रंट घोटाले में सीबीआई जांच भी कम्पनी पर रही चल रही है।

फरीदाबाद की कंपनी हिमांशु गुप्ता मालिक है रसूख के दम पर अब काम कर रहा है। रायबरेली में सीवर के काम में एमएस पाईप की जगह आरसीसी पाईप विथ मेटल कॉलर लगा रही है। जबकि टेंडर में एमएस पाईप लगाने की बात लिखी है। स्टेट लेवल टेक्निकल कमेटी के अप्रूवल के बिना पाईप बदल दिया है।

विपक्ष ने आंकड़ों के दम पर एनडीए सरकार को किया बेदम

नीतीश सरकार पर लालू और प्रियंका का प्रहार

» राजद प्रमुख बोले- नीतीश-भाजपा ने किया विधि व्यवस्था का अंतिम संस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आगामी विधानसभा सभा चुनाव से पहले विपक्ष नीतीश सरकार को आंकड़े दिखाकर घेरने में कोई कमी नहीं छोड़ रही है। प्रियंका गांधी व नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आंकड़े दिखाकर नीतीश सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं। अब उनके पिता और राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद ने एनडीए सरकार पर हमला बोला और कई आरोप भी लगा दिए। राजद सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर लिखा कि नीतीश बताएं कि शाम पांच बजे से पहले घर में घुसकर ही कितनी हत्याएं हो रही है? क्या नीतीश जानते, पहचानते और समझते हैं कि उनके शासनकाल में आधिकारिक आंकड़ों में 65,000 हत्याएं हुई है? 65,000 लोगों की हत्याएं हुई है।

लालू प्रसाद ने आगे लिखा कि नीतीश-भाजपा ने विधि व्यवस्था का दम ही नहीं निकाला बल्कि उसका अंतिम संस्कार भी कर दिया है। बिहार में इतनी भ्रष्ट, लापरवाह और कामचोर पुलिस कभी भी, कभी भी नहीं रही। उधर बिहार चुनाव में प्रदर्शन बेहतर हो, इसके लिए कांग्रेस हर संभव कोशिश करना चाहती है। राहुल गांधी लगातार नीतीश सरकार पर हमला बोल रहे हैं। अब उनकी बहन और कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार पर हमला बोला है। तीन दिन पहले भी लालू प्रसाद यादव ने नीतीश सरकार पर हमला बोला था। सात जून को उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि बिहार में अपराधी बेलगाम हैं। अफसरशाही मदमस्त हैं। सरकार बेहोश है और महंगाई रिकॉर्डतोड़ है। राज्य गरीबी, बेरोजगारी, पलायन बढ़ गई है। 20 वर्षों की इस एनडीए सरकार ने बिहार का बंटाधार कर दिया है।

बिहार में अपराधी बेलगाम : लालू

डबल इंजन की सरकार महिलाओं के लिए खतरनाक साबित हो रही है : प्रियंका

कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री प्रियंका गांधी वाड्रा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने बिहार में सबसे कम लिंगानुपात को लेकर उन्होंने नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि बिहार में प्रति हजार लड़कों पर सिर्फ 891 लड़कियां पैदा हो रही हैं। प्रियंका गांधी ने पूछा कि आखिर ऐसा क्या हो रहा है कि जन्म लेने वाले बच्चों में बेटियों की संख्या लगातार गिर रही है? एक तरफ महिलाओं पर लगातार हो रही बर्बरता और दूसरी तरफ लिंगानुपात के मामले में देश में सबसे खराब स्थिति इस बात का संकेत है कि बिहार की डबल इंजन सरकार महिलाओं के लिए खतरनाक साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह इस बात का संकेत है कि राज्य की डबल इंजन सरकार महिलाओं के लिए खतरनाक साबित हो रही है। कांग्रेस नेत्री ने एक रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया किया। इसमें यह बताया गया था कि भारत के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय द्वारा जारी नवीनतम नागरिक पंजीकरण प्रणाली रिपोर्ट 2022 के अनुसार, बिहार में जन्म के समय लिंगानुपात 891 है। इसके बाद महाराष्ट्र (906), तेलंगाना (907), हरियाणा (909) और उत्तराखंड (910) का स्थान है। उन्होंने कहा कि बिहार में 1,000 लड़कों पर केवल 891 लड़कियां पैदा हो रही हैं। यह अनुपात 2020 में 964 था, जो 2021 में घटकर 908 हो गया और 2022 में केवल 891 पर रह गया।

दिल्ली में छठी मंजिल पर लगी आग, 3 की मौत

» शीशे तोड़कर कूदे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका में एक इमारत में आग लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मौके से सामने आए वीडियोज में अपार्टमेंट बिल्डिंग आग में घिरी हुई दिख रही थी और खिड़कियों से आग की तेज लपटें निकल रही थीं। इसी आग से बचने के लिए एक ही परिवार के तीन लोगों (2 बच्चे और एक पिता) ने बालकनी से छलांग लगा दी, जिससे उनकी मौत हो गयी। दिल्ली फायर सर्विसेज के अनुसार द्वारका इलाके के सेक्टर 13 के सबद अपार्टमेंट की दो फ्लोर पर यह आग लगी।

पहले इसमें ही 2-3 लोगों के फंसे होने की आशंका जताई गई थी। जिसके बाद खबर आई कि दो बच्चे (एक लड़का और एक लड़की, दोनों की उम्र 10 साल) खुद को बचाने के लिए बालकनी से कूद गए, जिन्हें आकाश अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। बाद में उनके पिता यश यादव (उम्र 35 साल) भी बालकनी से कूद गए, जिन्हें भी आईजीआई अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। वह फ्लेक्स बोर्ड के व्यवसाय से जुड़े थे। दुखद खबर के बीच अच्छी खबर यह रही कि यश यादव की पत्नी और बड़ा बेटा आग से बच गए और जीवित हैं। उन्हें चिकित्सा सहायता के लिए आईजीआई अस्पताल भेजा गया है। सोसायटी के सभी निवासियों को बाहर निकाल लिया गया है और बिजली तथा पीएनजी कनेक्शन जैसी सभी सुविधाएं बंद कर दी गई हैं। संरचनात्मक स्थिरता का आकलन करने के लिए डीडीए तथा एमसीडी को सूचित कर दिया गया है. परिवार की सहायता के लिए आकाश तथा आईजीआई अस्पताल दोनों में टीमें तैनात की गई हैं।

पुलिस ने प्रदर्शन में शामिल हुईं आतिशी को लिया हिरासत में

» भूमिहीन कैंप में बुलडोजर एक्शन का विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व सीएम आतिशी को दिल्ली पुलिस ने उस समय हिरासत में ले लिया जब वह

कालकाजी के भूमिहीन कैंप में तोड़फोड़ विरोधी प्रदर्शन में शामिल थीं। आतिशी ने मंगलवार को दावा किया कि कालकाजी स्थित भूमिहीन कैंप में तोड़फोड़ अभियान से पहले बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा झुग्गी-झोपड़ी कैंप में स्थित घरों पर बेदखली के नोटिस चिपका दिए गए हैं, जिनमें अतिक्रमणकारियों को तीन दिन के भीतर स्थान छोड़ने या कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी गई है।

शिविर, जहां अधिकांश निवासी प्रवासी श्रमिक हैं, में पिछले कुछ वर्षों में तीन बार ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया है-इस वर्ष मई और जून में तथा जुलाई 2023 में। आतिशी ने एक्स पर लिखा कि कल भाजपा वाले भूमिहीन कैम्प पर बुलडोज़र चलाने वाले हैं। आज वहां के झुग्गी वाले प्रोटेस्ट करने वाले थे तो भाजपा सरकार ने हज़ारों की संख्या में पुलिस और सीआरपीएफ को भेज दिया है। रेखा गुप्ता जी, आपने तो कहा था कि कोई झुग्गी नहीं तोड़ेंगे? तो इतनी पुलिस और सीआरपीएफ क्यों तैनात है?

महाराष्ट्र में लोकल ट्रेन हादसे पर सियासत शुरू

» कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, रेलमंत्री वैष्णव के इस्तीफे की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने ठाणे जिले में हुए लोकल ट्रेन से जुड़े हादसे के लिए सोमवार को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग की। इस हादसे में चार व्यक्तियों की मौत हो गई। कांग्रेस नेता सपकाल ने मृतकों के परिजनों के लिए 25-25 लाख रुपये के मुआवजे की भी मांग की।

सुबह के व्यस्त समय में एक चलती और भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर

राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक कान्स्टेबल सहित कम से कम चार यात्रियों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। सपकाल ने नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि लोकल ट्रेन दुर्घटना के लिए केंद्र और राज्य सरकारें जिम्मेदार हैं उन्होंने रेल मंत्री पर सुविधाओं में सुधार को लेकर अनभिज्ञ होने का आरोप लगाया और उनके इस्तीफे की मांग की। सपकाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि पिछले 11 वर्षों से, महाराष्ट्र के लोग बुनियादी ढांचे को सुगम बनाने के बारे में खोखली बातें सुन रहे हैं।

लोकल ट्रेनों में लगाने चाहिए स्वचालित दरवाजे : शरद पवार

राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने लोकल ट्रेन से गिरकर यात्रियों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए सोमवार को मध्य रेलवे प्रशासन से अपील की कि वह भीड़भाड़ को देखते हुए लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने जैसे उपाय लागू करे।

टेंडर फिक्स कर रहे हैं सचिवालय कर्मी !

» सपा विधायक का सनसनीखेज आरोप

» एक ही कंपनी को क्यों मिल रहे हैं करोड़ों के टेंडर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सचिवालय में नगर विकास विभाग में वर्षों से एक ही कुर्सी पर जमे अफसरों के खिलाफ अब राजनीतिक मोर्चा खुल गया है। समाजवादी पार्टी के विधायक पंकज मलिक ने नगर विकास विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

विधायक ने इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष को एक पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि लंबे समय से कुर्सी पर चिपके इन अधिकारियों/कर्मचारियों पर समय रहते कार्यवाई नहीं हुई तो 7000 करोड़ रुपये से अधिक की 550 योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ सकती है। अवधेश यादव विभागीय जाँच के बावजूद तैनात, अशोक, शिवांगी गौरव दुबे, आनंद अखिलेश्वरव विपुल लगातार समीक्षा अधिकारी के पद पर तैनात हैं। प्रवीनकोरी सतपाल, गजेन्द्र, ब्रजेश, वासिफ विभागीय जाँच के बावजूद तैनात है। कृपा जयशंकर जायसवाल प्रमोशन के बावजूद ट्रांसफर नहीं हुआ।

नगर विकास विभाग में चल रहा गोरखधंधा

अधिकारियों की मिलीभगत का लग रहा आरोप

विधायक पंकज मलिक के मुताबिक नगर विकास विभाग में कुछ अधिकारी सालों से एक ही पद और स्थान पर जमे हुए हैं और उनकी मिलीभगत से विभागीय कार्यों में पारदर्शिता का अभाव है। उन्होंने कहा कि विभाग की नीतियां आम जनता के हितों के विरुद्ध हैं और इनके पीछे सक्रिय फिक्सिंग तंत्र की गूंज हर स्तर पर सुनाई देती है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि योजनाओं के टेंडर, ठेके और फंड आवंटन जैसे मामलों में एक ही चहेते अफसरों और ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। इससे न केवल जनहित की योजनाएं प्रभावित हो रही हैं बल्कि सरकारी खजाने को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है।

क्या हैं खतरे की घंटियां

सपा विधायक ने दावा किया है कि यदि इन अधिकारियों को तत्काल हटाया नहीं गया तो नगर विकास विभाग की 550 से अधिक योजनाएं जिनकी लागत 7000 करोड़ रुपये से अधिक है भ्रष्टाचार की आग में झुलस जाएँगी। इसमें स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत योजना, नगर स्वच्छता अभियान, सीवर लाइन और सड़क चौड़ीकरण जैसी कई अहम परियोजनाएं शामिल हैं।

नीति पर भी सवाल

पत्र में यह भी पूछा गया है कि आखिर राज्य की नौकरशाही में एक ही पद पर वर्षों तक टिके रहने की नीति को कैसे उचित ठहराया जा सकता है? यह मूल्य आधारित प्रशासन की अवधारणा के विरुद्ध है और इससे भ्रष्टाचार को सीधा संरक्षण मिलता है।

सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार

इस मुद्दे को लेकर अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है लेकिन विपक्ष इसे लेकर आक्रामक हो गया है। सपा ने संकेत दिया है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं तो वे सदन में इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएँगे और सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।